Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P)
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)
Yearly Grading Scheme
B.P.A. IV th Regular
2021-22

Subject cod	Subject Nature	Mid Term	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core -1 Subject – Kathak***				
C1-BDK-407	1-History & development of Indian dance	20	80	100	33%
C1-BDK-408	2-Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	20	80	100	33%
C2-BDK-407	Technical Course Practical Core-2				
C2-BDK-408	1- Demostration & Viva	20	80	100	33%
C2-BDK-409	2- Stage Performance	20	80	100	33%
	3- Choreography	20	80	100	33%

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)
Choice Based Credit System- (CBCS)
सत्र 2021–22

Class : BPA IVth Year
Subject : Kathak Dance
Paper : I[st]
Title of paper : भारतीय नृत्य का इतिहास, विकास एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत (History and development of Indian dance)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : 80
Mid Term : 20

Particulars/विवरण

Unit- 1st	1. कथक नृत्य में बनारस घराने की विशेषताएं एवं घराने की परम्परा का अध्ययन। जीवनीयाँ एवं कथक नृत्य में योगदान–पं. सुखदेव महाराज, पं. जानकी प्रसाद, विदुषी सितारा देवी, पं. गोपीकृष्ण, पं. कृष्ण कुमार। 2. शास्त्रीय शैली में कथकली ,मोहिनीअट्टम,सत्रिया का विस्तृत अध्ययन।	
Unit- IInd	1. लोकधर्मी, नाट्यधर्मी एवं पूर्वरंग का अध्ययन। 2. देवदासी प्रथा का इतिहास एवं भारतीय नृत्यों के विकास में उसका योगदान।	
Unit- IIIrd	1. अष्ट नायिका भेदों का विस्तृत ज्ञान। 2. ताल के दसप्राण का विस्तृत अध्ययन।	
Unit- IVth	1. सोलह श्रंगार एवं बाहर आभूषणों की जानकारी एवं कथक नृत्य में उनके महत्व का ज्ञान। 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित "अभिनय दर्पण" के अनुसार दशावतार हस्तों का श्लोक सहित ज्ञान।	
Unit- Vth	1. नाट्यशास्त्र के अनुसार 108 करण के नाम एवं प्रारंभिक 1 से 25 तक करणों का विस्तृत अध्ययन। 2. रासलीला की व्याख्या एवं विस्तृत अध्ययन।	

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम(नियमित)

Choice Based Credit System- (CBCS)

सत्र 2021–22

Class : BPA IVth Year
Subject : Kathak Dance
Paper : 2nd
Title of paper : निबंध संरचना, लयकारी एवं प्रयोगात्मक सिंद्धात
(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)
Compulsory/Optical : Compulsory
Max. Marks : 80
Mid Term : 20

Particulars/विवरण

Unit- 1st	1. कथक नृत्य के विकास में नवाब वाजिद अली शाह के योगदान का अध्ययन। 2. कथक नृत्य के विकास में राजा चक्रधर सिंह का योगदान।	
Unit- IInd	1. निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर दिये गये कथानकों पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की क्षमता– कालिया दमन, शूर्पणखा, मानभंग कथानक, पात्र चयन, मंच व्यवस्था, वेशभूषा, रूपसज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस। 2. प्रायोगिक पक्ष में सीखी गई बोल बंदिशों को लिपिबद्ध करना।	
Unit- IIIrd	1. पंचमसवारी अथवा गजझम्पा तालों की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन लिपिबद्ध करने की क्षमता। 2. प्रायोगिक में सीखे गये नृत्य के बोलों की लिपिबद्ध करने की क्षमता।	
Unit- IVth	1. नाट्यशास्त्र के अनुसार स्थानक भेद। 2. नृत्य के उपकरण– मंच व्यवस्था, संगतकार, वेशभूषा, ध्वनिप्रकाश व्यवस्था।	
Unit- Vth	1. त्रिताल में किसी एक बंदिश को लिपिबद्ध करने की क्षमता। 3. कर्ण किसे कहते हैं कर्ण के बारे में विस्तृत जानकारी दीजिए।	

संदर्भित पुस्तकें:–

1. भारतीय संस्कृति में कथक परपंरा (डॉ. मांडवी सिंह)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथराम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिकराम जी)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग एक एवं दो (डॉ. पुरू दाधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. संगीत दर्पण (श्री दामोदर पंडित)
7. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
8. नटवरी नृत्यमाला (गुरू विक्रम)
9. कथक नृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग)

10. कथक नर्तन (डॉ. विधि नागर)
11. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)
12. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 (डॉ. पुरू दाधीच)
13. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झा)

प्रायोगिक– प्रदर्शन एवं मौखिक **पूर्णांक : 100**

Unit- 1_{st}	1. पूर्व में किये गये तालों की पुनरावृत्ति। 2. तीनताल में तोड़े एवं परन के साथ उच्चस्तरीय नृत्य प्रदर्शन।	
Unit- II^{nd}	1. गतनिकास–रूखसार एवं घुंघट के प्रकार 2. गतभाव–कालियादमन	
Unit- III^{rd}	1. राम स्तुति पर भाव प्रदर्शन। 1. गतभाव–गोवर्धन पूजा।	
Unit- IV^{th}	1. कृष्ण वंदना पर भाव प्रदर्शन 2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित ''अभिनय दर्पण'' के अनुसार दशावतार हस्तों का प्रायोगिक प्रदर्शन।	
Unit- V^{th}	पढन्त करने की क्षमताः– 1. पंचम सवारी (15 मात्रा) तथा गजझंपा (15 मात्रा) की ठाह, दुगुन,व चौगुन। 2. प्रायोगिक में सीखे गये सभी बंदिशें।	

नोटः–चतुर्थ वर्ष के पाठ्यक्रम के ताल पंचमसवारी और गजझम्पा पूर्वकक्षा में सीखी गई ताल एवं बंदिशों की पुनरावृत्ति।